

न्यायलय अनुमंडल दण्डाधिकारी, बगोदर- सरिया, गिरिडीह

आदेश पत्रक रामलखन राय प्रथम पक्ष

पक्ष नारायण मंडल खनाम द्वितीय पक्ष

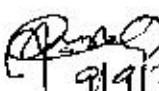
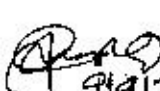
देखे अभिलेख हस्तक 1941 का नियम 129

आदेश पत्रक ता० से तक

जिला गिरिडीह।

विविध वाद संख्या 173 ... सन् 2021

थरा 144 दण्डप्रसंग

आदेश की क्र० सं० और तारीख	आदेश और पदाधिकारी का हस्ताक्षर	आदेश पर की गई कारवाई के बारे में टिप्पणी तारीख सहित
1	2	3
09/09/21	<p>आवेदक रामलखन राय पति एवं ज्ञानमंद राय खा० - लैवा थाना - गिरिडीह, जिला - गिरिडीह द्वारा दण्ड प्र० सं० डी- 144 के अंतर्गत विवाहित युक्ति मीना कुंडिया खाला सं० 2/1 लवा - 2/2 प्लॉट सं० - 24, रुवा - 42 जी० पी० उ० - सडक, 60 - नीज पू० + प० - नीज में पू० विवाद के कारण निर्गोपना - लवा करी हेतु आवेदन दिया गया है - 1 आदेश आवेदन पर जॉय / चेतन अंगल अधिकारी द्वारा अपात्री विरही से मांगी। अतिरिक्त दि० - 16/09/21 को उपस्थिति करें। लैवा सं० संशोधित</p>	<p>304 09/09/21</p>
	<p> रामलखन राय अ. उ० १५० बगोदर - सरिया</p>	<p> नारायण मंडल अ. उ० १५० बगोदर - सरिया</p>

1	2	3
---	---	---

16/09/21

अभिलेख उपर-पापित । अंगल जयिदरी /
 पाता बपारी खिरी से पाप बलिपदन
 अज्ञात है।
 अभिलेख दि० - 30/05/21 को
 खरी उपर-पापित करें।

अनुप पंडित
 बजौर - सतिया

23/05/21

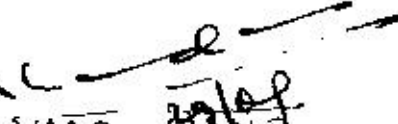
अभिलेख उपर-पापित । प्रथम
 पक्ष से आवेदन प्राप्त हुआ है।
 प्राप्त आवेदन से अत्र लक्षण है
 बाव में संतुष्ट है कि उक्त
 युनि को खरी उपर-पापित में
 जाति में ही जांचका है।
 प्रथम पक्ष से खरी उक्त आवेदन
 से माध्यम से बतलाया है कि
 विवाहित युनि पर द्वितीय पक्ष के
 द्वारा मकान निर्माण किया जा रहा
 है जिससे उक्त पक्ष में जाति में
 खरी खरीबा तथा उपर-पापित से खरीबा
 है जो पक्ष अधिकार पक्ष में
 जांचका है वही वही पक्ष से संतुष्ट
 है कि उक्त मापले में लक्ष्य
 है उक्त करने तथा बतलाया है।

1

2

3

आंगति- बनावे रखने के लिए
 त्रिरोधात्मक कार्रवाई आवश्यक है
 इन तथ्या के आलाउक
 समय पक्षों के विरुद्ध धारा 144
 पर क्रम संकेत के अंतर्गत कार्यवाही
 प्रारंभ- क्रिया पाता है तथा समय
 पक्षों को 60 दिनों के लिए
 विवादास्पद भूमि पर या उससे
 नजदीक जाने अथवा किसी भी
 तरह का कार्य करने के लिए
 प्रतिबंधित- क्रिया पाता है तथा
 रोकना पाता है- साथ ही समय
 पक्षों में दिनांक 21/12/21 को
 आस्था पुष्पा की मांग की जाती
 है- कि क्या नहीं रोक या
 पक्ष पक्षों के विरुद्ध त्रिरो
 धात्मक आदेशों को सम्पुष्ट
 क्रिया जाय।
 अखण्ड रख संशोधित


 अतुल खत्री
 बंगलूर-अरिया


 अतुल खत्री
 बंगलूर-अरिया

1	2	3
०१/१०/२१	<p>अभिलेख उपस्थानित । प्रथम पक्ष - वहालतत हाजिर है। द्वितीय - पक्ष अनुप तो २४/१/२१</p> <p style="text-align: center;">१८ २१/१</p>	
२४/१०/२१	<p>प्रथम पक्ष उपस्थित । द्वितीय - पक्ष अनुप अभिलेख - १४/११/२१ को पक्षी</p> <p style="text-align: right;">प्रति २५/१०</p>	
१४/११/२१	<p>प्रथम पक्ष वहालतत हाजिर है। द्वितीय पक्ष अनुपस्थित । प्रथम पक्ष द्वारा निवेदनान्त से उक्त पक्ष के कार्यवाई करने का अज्ञेय विधा जाया है। माना प्रभारी अज्ञेय से प्रतिवेदन मांगे।</p> <p style="text-align: center;">तो २५/११/२१</p> <p style="text-align: right;">१८ (११)</p>	
२५/११/२१	<p>प्रथम पक्ष उपस्थित । द्वितीय पक्ष अनुपस्थित । उक्त पक्ष का कार्य पक्ष के आवेदन पर प्रारम्भ विधा जाया। आवेदन के आलोच अचल अभिकारी एवं माना प्रभारी से प्रतिवेदन करे मांगे।</p>	

आदेश की क्र० सं० और तारीख	आदेश और पदाधिकारी का हस्ताक्षर	आदेश पर की गई कारवाई के बारे में टिप्पणी तारीख सहित
1	2	3
	<p>की 51ई में आभी तक अज्ञात है, इससे देखा जाना होता है कि एका पर विचार नहीं है। प्रथम पक्ष का इतर जमीन के नामान्तरण हेतु भी आवेदन अथवा अधिकारी के लक्ष्य का गैरकाल किया गया था- जिससे आदेशों पर रोक था।</p> <p>अतः उपर विवेकान के आदेशों को 14 की कार्यवाही को समाप्त किया जाता है तथा निष्काशा के आदेशों को अथवा की मंजूरी को मुख्य तकता जाता है।</p> <p style="text-align: right;">25/11/21</p>	